वार्षिक प्रतिवेदन 2023

सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं
विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन
उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, देहरादून

महानिदेशक की कलम से

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, (UCOST) सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अन्तर्गत स्थापित एक स्वायतशासी निकाय है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय सविधान के अनुच्छेद 51 A (H) में निहित मूल कर्तव्यों के प्रति उल्लिखित प्रावधानों को आम जनमानस तक पहुचाने तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करने हेतु भारत सरकार की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति में अंकित प्रावधानों को राज्य में लागू कर नवाचारी प्रयासों को बढ़ावा देना है।

उत्तराखण्ड राज्य की भोगोलिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में राज्य के दूरस्थ क्षेत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अवधारणा के अनुसार आमजन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा कर उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु परिषद द्वारा वर्ष 2023–24 में किये गये प्रमुख कार्यों, कार्यक्रमों और गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद प्रतीति है कि परिषद द्वारा शिक्षण संस्थानो, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, तकनीकी संस्थानों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से समाविष्ट कार्यक्रमों/परियोजनाओं का संचालन, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण कर वैज्ञानिक शोध एवं शोधार्थियों तथा वैज्ञानिकों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान युक्त वातावरण तैयार कर उत्तराखण्ड राज्य को वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रगामी संस्थान के रूप में देश भर में पहचान मिली है।

परिषद द्वारा विभिन्न संभागों और परियोजनाओं के तहत राज्य में विज्ञान लोकव्यापीकरण, वैज्ञानिक शोध कार्यों में सहयोग और वैज्ञानिक चेतना के प्रचार–प्रसार का कार्य किया गया। विश्वविद्यालयों, विद्यालयों, स्वैच्छिक संस्थानों को विविध शोध कार्यो, आजीविका संबंधित परियोजनाओं, विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं के आयोजन के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम, विज्ञान लोक व्यापीकरण कार्यक्रम, एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम एवं पेटेंट सूचना केंद्र (पी0आई0सी0) के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई। ग्रामीण आजीविका में सुधार करने के लिए राज्य के विभिन्न जनपदों में तकनीकी संसाधन केन्द्रों, विज्ञान ग्राम संकुलों की स्थापना, महिला प्रौद्योगिकी पार्को की स्थापना के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और विज्ञान लोक व्यापीकरण के अंतर्गत वर्ष 2023–24 में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा लगभग 70 से अधिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और वेबिनार का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य के सीमांत जनपदों के विद्यार्थियों तक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से परिषद द्वारा जनपद चमोली के गोपेश्वर में सीमांत बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन अक्टूबर, 2023 में किया गया। दिनांक 28 नबम्बर से 1 दिसम्बर 2023 तक उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (USDMA), उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST) DMICS, हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र एवं समुदायों पर केन्द्रित (Strenthening Climate Action & Disaster Resilience, Special Focus on Mountain Ecosystems & Communities) विषय वस्तु के अन्तर्गत छठीं विष्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन (6th WCDM) का आयोजन ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, देहरादून में किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 50 से ज्यादा देशो से आये विषय विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा राज्य के विशेषज्ञों, शोधार्थियों नीति निर्धारकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। दिसंबर 2023 में आयोजित 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के माध्यम से चयनित राज्य के 16 बाल वैज्ञानिक द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग किया गया। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा

आयोजित, उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस परिषद् का एक वार्षिक कार्यक्रम है जो वैज्ञानिक समुदाय, शोधार्थियों, शिक्षाविदों, छात्र–छात्राओं एवं नवोन्मेशकों को एक साझा मंच प्रदान करता है जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श, व्याख्यान और मंथन सत्र आयोजित किये जाते हैं। अब तक परिषद् द्वारा 18 राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस का सफल आयोजन किया गया। इस वर्ष परिषद् द्वारा "भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा, विश्व शांति और सद्भाव" विषय के अंतर्गत 18वीं विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य पारंपरिक स्वदेशी ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच एक समन्वय स्थापित करना है, ताकि हम परम्पराओं को संयोजित करते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर हों सकें। परिषद् द्वारा हल्द्वानी में आर्यभट्ट प्रेक्षण शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के सहयोग से एक एस्ट्रोपार्क एंड साइंससेंटर की परियोजना भी प्रस्तावित है। 13 जिलों के लिए 13 मुख्यमंत्री साइंस ऑन व्हील/लैब्स ऑन व्हील परियोजना भी परिषद् के आगामी कार्य योजनाओं में प्रस्तावित है। परिषद् में रेडियो पॉड कास्ट स्टूडियो भी स्थापित किया गया है। विभिन्न विषयों के तहत छात्र –छात्रों को समय समय पर इंटर्नशिप, प्रशिक्षण आदि भी दिए जाते है। परिषद् द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों का विवरण आधिकारिक वेबसाइट, फेस बुक पेज , यु–टुब , इंस्टाग्राम और ट्विटर पर भी प्रकाशित किये गये है।

वर्ष 2023–24 के सन्दर्भ में यह उलेखनीय है कि इस वर्ष राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के 04 प्रमुख केन्द्रों की स्थापना का निमार्ण कार्य प्रारम्भ हो कर प्रगति पर है।

1. एन0सी0एस0एम0 कोलकाता के सहयोग से साइंस सिटी, देहरादून।
2. साइंस सेन्टर, चम्पावत।
3. एस्ट्रो पार्क, हल्द्वानी।
4. उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, मानसखण्ड अल्मोड़ा।

परिषद माननीय मुख्यमंत्री महोदय जो कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभागीय मंत्री भी है के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ कि उनके सतत प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन से परिषद उत्तरात्तोर प्रगति की ओर अग्रसरित है। देश की पांचवी साइंस सिटी के लिये वित्तीय प्राविधान हो गया है। राज्य के अन्य स्थानों पर विज्ञान केन्द्रों की स्थापना हो उसके लिये माननीय मुख्यमंत्री जी का वैज्ञानिक नेतृत्व के साथ सदैव आर्शिवाद भी प्राप्त होता है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक और बौद्धिक राजधानी कहे जाने वाले नगर अल्मोड़ा में स्थापित उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, मानसखण्ड अल्मोड़ा का निमार्ण कार्य सम्पूर्ण हो चुका है और शीघ्र ही इस केन्द्र का लोकार्पण कर इसे आमजन के लिये सुलभ करवा दिया जायेगा।

(प्रोफेसर दुर्गेश पन्त)

1 उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

सामान्य निकाय

क्रम सं.	नाम / पदनाम	अध्यक्ष / सदस्य
1.	मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन	अध्यक्ष
1.	प्रमुख सचिव / सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन	सदस्य
2.	प्रमुख सचिव / सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
3.	प्रमुख सचिव / सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
4.	प्रमुख सचिव / सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
5.	प्रमुख सचिव / सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
6.	प्रमुख सचिव / सचिव, औद्योगिकी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
7.	निदेशक, आई0आई0टी0 रूड़की के प्रतिनिधि।	सदस्य
8.	डॉ0 डी0के0 असवाल, ग्रुप निदेशक, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण ग्रुप, भाभा एटोमिक रिसर्च सेन्टर, मुम्बई।	सदस्य
9.	डॉ0 राम मोहन राव, विभागाध्यक्ष, जियोइन्फॉरमेटिक्स डिविजन, एन0आर0एस0सी0, इसरो, हैदराबाद।	सदस्य
10.	डॉ0 आर0पी0 पंत, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, राष्ट्रीय भू–भौतिकी प्रयोगशाला (एन.पी.एल.), नई दिल्ली।	सदस्य
11.	डॉ0 जी0एस0 रावत, पूर्व डीन व निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।	सदस्य
12.	प्रोफेसर वी0पी0 पाण्डे, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष–विज्ञान, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
13.	प्रो0 (श्रीमती) सुरेखा डंगवाल, कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।	सदस्य
14.	डॉ. डी.एस.रावत कुलपति, कुमॉऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
15.	डॉ. हरेन्द्र सिंह बिष्ट निदेशक, सी.एस.आइ.आर.–आइ.आइ.पी., मोहकमपुर, देहरादून–248005। (सचिव, वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नामित सदस्य)	सदस्य
16.	आचार्य बालकृष्ण प्रबन्ध, निदेशक पतंजलि आयुर्वेद लि0, हरिद्वार	सदस्य
17.	श्री नरेन्द्र सिंह लडवाल, प्रोपराईटर, सीहॉक प्रा0लि0, लडवाल ईस्टेट, चंपावत।	सदस्य
18.	डॉ. मनमोहन सिह चौहान कुलपति, जी0बी0 पन्त विश्वविद्यालय, पंतनगर।	सदस्य
19.	प्रो.दुर्गेश पंत महानिदेशक, उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, यूकॉस्ट, उत्तराखण्ड।	सदस्य
20.	श्री शैलेश बगौली,आई.ए.एस. प्रमुख सचिव / सचिव, सूचना एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य सचिव

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

परिचय –

वैज्ञानिक जागरूकता एवं विज्ञान के क्षेत्र को प्रभावशाली बनाये जाने के उद्देश्य से देश के अन्य राज्यों की भांति उत्तराखण्ड
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् का गठन मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में श्रम सेवायोजन वि0 एवं प्रौ0 विभाग के कार्यालय
संख्याः 549, 334 दिनांकः 21 फरवरी, 2005 के द्वारा किया गया।

विशेषताएं –

1 राज्य सरकार को वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी विषयों पर परामर्श प्रदान करना।
2 समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अधिक से अधिक उपयोगी क्षेत्रों का चिन्हांकन
क्रियान्वयन करने की दिशा में निरन्तर प्रयास करना।
3 उत्तराखण्ड शासन द्वारा परिषद् का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियों के लिए नोडल ऐजेन्सी के रूप में कार्य करना।

दायित्व –

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का दायित्व जनसाधारण में विज्ञान का प्रचार–प्रसार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर का विकास किया जाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1958 में संसद द्व
अनुमोदित वैज्ञानिक नीति तथा वर्ष 1981 में बैंगलोर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों की स्थापना हेतु आयोजित कार्यशाला
अनुशंसाओं एवं उत्तराखण्ड राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अगस्त, 2005 से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिक
परिषद् ने कार्य प्रारम्भ किया। परिषद के उद्देश्य निम्नलिखित हैंः–

1. किसानो विषेशकर गरीब एवं पिछड़े कृषक, भूमिहीन कृषक, छोटे कृषक, छोटे कामगार एवं अनुसूचित जाति/जनजा
महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान तथा दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी दूर करने के लिए विज्ञान
प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की पहचान करना और विकास के लिये उनका उपयोग करना।
2. सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये शासन की नीतियों एवं उनके परिपालन हेतु उठाये जाने वाले आवश्
कदमों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में शासन को परामर्श देना।
3. राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के समन्वित विकास के लिये अनुसंधान एवं प्रदर्शन तथा विकासीय योजनाओं, कार्यक्रमों
पहल, प्रायोजन एवं समन्वय करना।
4. विकास को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की आवश्यकतानुसार प्रयोगशालायें स्थापित करना अथवा उनकी स्था
हेतु सहायता देना।
5. पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र की स्थापना एवं संचालन करना।
6. राज्य के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अन्य संस्थाओं से प्राप्त होने वाली योजनाओं का अनुमोदन, योजनायें तैयार क
एवं उनकी तैयारी हेतु अनुदान, ऋण एवं विशेषज्ञों को सहायता प्रदान करना।
7. विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिये जन सामान्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रचार एवं प्रसार तथा संगोष्ठियों आदि
आयोजन करना।
8. राज्य शासन द्वारा परिचालित तकनीकी प्रयासों में परिपूरक बनना।
9. समान उद्देश्य की राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थाओं के साथ परस्पर कार्य करना।
10. राज्य की समस्याओं के निराकरण के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित कार्यवाही करना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगि
की शिक्षा को बढ़ावा देना।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास कार्यों को पुरस्कृत करना।
12. सामान्यतः समस्त ऐसे उपाय करना, जिससे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से उत्तराखण्ड राज्य का सर्वांगीण विक
तीव्रता से हो सके।

संगठनात्मक संरचना एवं सृजित पद –

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के स्वरूप में उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या 494(1)/XXXVIII/09-01/2001(TC) दिनांक 10 दिसम्बर, 2009 के द्वारा निम्नलिखित पदों को स्वीकृत किया गया है:–

परिषद मुख्यालय हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	महानिदेशक	37400–67000	10,000	01
2.	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	6,600	02
3.	वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	5,400	02
4.	प्रशासनिक अधिकारी	9300–34800	4,200	01
5.	वैज्ञानिक सहायक	9300–34800	4,200	04
6.	लेखाकार	9300–34800	4,200	01
7.	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	5200–20200	2,800	02
8.	आशुलिपिक	5200–20200	2,400	02
9.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2,000	02
10.	पुस्तकालय सहायक	5200–20200	2,000	01
11.	चपरासी/चौकीदार	4440–7440	1,300	03

क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	परियोजना अधिकारी	15600–39100	6,600	01
2.	प्रबन्धक मार्केटिंग	15600–39100	5,400	01
3.	प्रबन्धक जनसम्पर्क	15600–39100	5,400	01
4.	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	9300–34800	4,200	02
5.	डी0टी0पी0 आपरेटर	9300–34800	4,200	02
6.	प्रदर्शक	9300–34800	4,200	02
7.	कनिष्ठ सहायक/डाटा एन्ट्री आपरेटर	5200–20200	2,000	02
8.	प्लान्ट ऑपरेटर	5200–20200	2,000	01
9.	अनुसेवक	4440–7440	1,300	04

बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	6,600	01
2.	वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	5,400	01
3.	चपरासी/चौकीदार	4440–7440	1,300	02

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत पद–

उपरोक्त के अतिरिक्त भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निदेशक, एक संयुक्त निदेशक, दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी तीन वैज्ञानिक अधिकारी एवं दो तकनीकी सहायक के पदों की स्वीकृति प्रदान की गयी है

2

नीतिगत विशेषताएं कार्य योजनाएं

(क) नीतिगत विशेषताएं

1. अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
2. संस्थाओं को एक साथ समन्वय स्थापित करना।
3. विभिन्न मंत्रालयों के मध्य समन्वय।
4. उद्योग तथा शैक्षणिक जगत के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समन्वयन।
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास।
6. प्रौद्योगिकी आधारित व्यापार को प्रोत्साहन।
7. आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान के विकास हेतु प्रोत्साहन।

(ख) कार्य योजनाएं

राज्य में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने तथा सुदृढ़ करने हेतु परिषद द्वारा निम्न पांच प्रमुख क्षेत्रों में विभिन्न कार्य योजनाएं संचालित की जा रही है:

1. शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार।
2. विज्ञान लोकव्यापीकरण तथा विज्ञान धाम की स्थापना।
3. हिमालयी व्यवस्था विज्ञान।
4. विज्ञान एवं समाज – विशेषकर महिलाओं एवं कमजोर वर्गों के लिए।
5. उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।

शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को प्रायोजित कर इच्छुक समूहों द्वारा रचनात्मक क्रियाकलापों के लिये मंच प्रदान कर रहा है।

राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस

परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के द्वारा वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्यों तथा उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के लिये सामूहिक मंच मिलता है। विज्ञान कांग्रेस में युवा वैज्ञानिकों को आपस में विचार–विमर्श कर भविष्य की योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती हैं। प्रतिभागी वैज्ञानिक, उत्तराखण्ड की विभिन्न शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं में अध्ययनरत अथवा कार्यरत होते हैं। विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों जैसे कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन एवं सूक्ष्म जैविकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान सह भू–विज्ञान, भू–भौतिकी, भूगोल, अभियान्त्रिकी विज्ञान एवं तकनीकी, पर्यावरण विज्ञान एवं वानिकी, गृह विज्ञान सह वस्त्र, भोजन, पोषण एवं बाल विकास, मैटिरियल साइंस एण्ड नैनो टैक्नोलॉजी, गणित, सांख्यिकी तथा कम्प्यूटर विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज, भौतिक विज्ञान, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं समाज/विज्ञान संचार, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान से सम्बंधित आमंत्रित शोध पत्रों पर प्रतिभागियों द्वारा गहन विचार–विमर्श किया जाता है। विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत सभी शोध पत्रों का आंकलन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक वर्ग के सर्वोत्तम शोध पत्र को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कृत वैज्ञानिकों को अपने शोधकार्य को आगे बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्यशाला

इस योजना के अर्न्तगत उत्तराखण्ड में स्थित विभिन्न शैक्षणिक, शोध संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न मुद्दों पर गोष्ठी आयोजित करने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार के आयोजन से नवोदित शोधकर्त्ताओं को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के साथ अपनी शोध गतिविधियों तथा उपलब्धियों पर विचारों के आदान–प्रदान का अवसर प्राप्त होता है।

यात्रा अनुदान

शोधकर्ताओं तथा वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली वैज्ञानिक कार्यशालाओं में सम्मिलित होने के लिये परिषद द्वारा यात्रा अनुदान दिया जाता है। यात्रा का 50 प्रतिशत व्यय इस योजना के अर्न्तगत राज्य के शोधकर्त्ताओं तथा वैज्ञानिकों को दिये जाने की व्यवस्था है।

समन्वयक इकाईयों की स्थापना तथा उनका सबलीकरण

परिषद का उद्देश्य है कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शोध संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं तथा उद्योग जगत के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिये परिषद विभिन्न संस्थाओं में समन्वयक इकाईयों की स्थापना करने का कार्य करती है।

विज्ञान लोकव्यापीकरण

आम जनता, विशेष रूप से युवा वर्ग में विज्ञान लोकव्यापीकरण द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिये परिषद द्वारा विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम संचालित किये जा रहें हैं।

युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

विज्ञान कांग्रेस में 40 वर्ष तक की आयु के पुरस्कृत शोधकर्त्ता या किसी अन्य उत्कृष्ट शोधकर्त्ता को राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य से सम्बधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों मे प्रतिभाग करने हेतु परिषद द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं।

उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन स्कूल

परिषद राज्य में विद्यमान विश्वविद्यालयों तथा शोध संस्थाओं को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता प्रदान कर शोध कार्य हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएं तथा तकनीकों का विकास करने की ओर अग्रसर हैं। परिणामत इन शैक्षिक संस्थानों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। परिषद में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्रों के संचालन हेतु विभिन्न विषयों में ग्रीष्मकालीन स्कूलों के आयोजन से भी सहायता मिल रही है।

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में संचालित शोध एवं विकास की गतिविधियों का विश्लेषण किया जाता है, जिससे कि विकास सम्बन्धी भविष्य की योजनाएं बनाने में सहायता मिलती हैं।

नये क्षेत्रों की पहचान

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को राज्य में और अधिक प्रभावी बनाने तथा उसे विकसित करने के लिये परिषद द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों, प्रौद्योगिकीविदों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का एक कार्यदल का गठन किया गया है जो कि शोध एवं विकास के लिये नये क्षेत्रों की पहचान करने में मददगार हैं।

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम

सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों के अनुभव तथा विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिये परिषद उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रारम्भ की गयी परियोजनाओं तथा कार्यों को आर्थिक रूप से सहायता के साथ–साथ उन्हें अन्य स्तरो से भी मदद करती हैं।

अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का कार्यक्रम

परिषद द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये व्यक्तियों तथा संस्थाओं द्वारा तृणमूल स्तर पर लोगों की पहचान करके उनके अन्वेषण तथा उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिये हर सम्भव प्रयास तथा सहायता प्रदान की जाती हैं।

साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना

आम जनमानस विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिये उत्तराखण्ड में एक अत्याधुनिक साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना करने का कार्य परिषद द्वारा गतिमान है। विज्ञान धाम एवं तारामंडल का अवलोकन करके बच्चों को प्रकृति में छिपी वैज्ञानिक प्रवृत्तियों के साथ-साथ वैज्ञानिक सिद्धान्तों तथा विज्ञान के नये आयाम को समझने का अवसर प्रदान होगा।

लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला

परिषद द्वारा राज्य में वैज्ञानिक मानसिकता को बढावा देने के उददेश्य से प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को विज्ञान तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े विशेष मुद्दों पर व्याख्यान देने के लिये आमन्त्रित किया जाता है।

पुस्तकालय–सह–प्रलेखन केन्द्र

परिषद राज्य में एक ऐसे पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र की स्थापना हेतु प्रयत्नशील है, जिसके माध्यम से राज्य में विभिन्न विषयों में शोध कार्य कर रहे शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों को आवश्यक जानकारियां प्राप्त हो सके। ऐसे पुस्तकालय में विज्ञान के संदर्भ ग्रन्थ, शोध पत्रिकायें, विज्ञान पत्रिकायें संग्रहित की जायेंगी ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर सुगमता से उपलब्ध हो सकें।

प्रकाशन

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने के लिये परिषद राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उच्चकोटि के शोध पत्रों, शैक्षणिक पुस्तकों के प्रकाशन तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के साहित्य का अनुवाद तथा प्रकाशन की व्यवस्था भी कर रहा है।

जनसम्पर्क तथा सूचना

परिषद विज्ञान लोकव्यापीकरण हेतु प्रदर्शनी, विज्ञान मेला तथा वैज्ञानिकों द्वारा आम जन के बीच जाकर आपसी संवाद करने जैसी योजनाओं को भी चला रहा है, जिसमें दृश्य तथा श्रवण मीडिया का भी उपयोग किया जा रहा है।

विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार

समय–समय पर घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं एवं विशेष अवसरों से सम्बन्धित जानकारी देने के लिये परिषद कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है, जिसमें गणित ओलम्पियाड भी शामिल है।

कार्यक्रम केलेण्डर

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस तथा अन्य ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय अवसरों पर परिषद द्वारा स्थापित विज्ञान प्रसार केन्द्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम

परिषद ऐसे सभी कार्यक्रमों को आयोजित और उनमें हिस्सेदारी भी कर रहा है, जो विज्ञान लोकप्रियकरण में सहायक है, जैसे राज्यस्तरीय आविष्कार प्रर्दशनी, राष्ट्रीय विज्ञान सेमीनार, विज्ञान मेला, राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी तथा बाल विज्ञान कांग्रेस इत्यादि।

उत्तराखण्ड साइंस फोरम

परिषद उत्तराखण्ड साइंस फोरम के गठन हेतु सभी सम्भव सुविधाएं तथा सहायता प्रदान कर रहा है। उत्तराखण्ड साइंस फोरम में विभिन्न शोध संस्थाओं के विचारवान व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों इत्यादि को सम्मिलित किया जा रहा हैं। साइंस फोरम की विभिन्न गतिविधियों को आगे बढ़ाने और उन्हें विकसित करने के लिये कोर पैनल द्वारा निर्णय लिया जाता हैं।

राज्यस्तरीय पुरस्कार

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार नकद धनराशि तथा प्रशस्ति–पत्र के रूप में दिया जाता हैं। सामान्यतः पुरस्कार पाने वाले को उत्तराखण्ड में ही स्थित संस्था में शोध कार्य करना होता हैं। इस प्रकार के पुरस्कार स्कूल के अध्यापकों, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तथा तृणमूल आविष्कारकों को भी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गये विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किये जाते हैं।

हिमालय व्यवस्था विज्ञान

उत्तराखण्ड राज्य की स्थलाकृति में उच्च स्थलों की पारिस्थितिकी, हिमनद, चारागाह, जैव विविधता, ताल तथा कृषि व्यवस्था से सम्बन्धित शोध कार्यों को परिषद द्वारा हर सम्भव सहायता दी जाती है।

प्राकृतिक संसाधन व्यवस्थापन

हिमालयन पारिस्थितिकी में विद्यमान विभिन्न जंतु एवं वानस्पतिक जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्राथमिकता के आधार पर शोध कार्य एवं इनके सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी को सूचीबद्ध करने के लिए परिषद प्रयत्नशील हैं।

औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों का संरक्षण

इस योजना के अन्तर्गत प्राकृतिक सम्पदा तथा पर्यावरण सम्बन्धी अध्ययन, जिसमें भूगर्भिक आपदाएं, हिमनदों का पीछे की ओर खिसकना, हिमनद ढाल, स्थायित्व तथा नदियों एवं तालों का अध्ययन शामिल है।

विज्ञान एवं समाज–महिलाओं तथा कमजोर वर्गो के लिये

समाज में महिलाओं, कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ग्रामीण वर्गों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निवेश द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक जीवन स्तर का उन्नयन करना तथा आय के अधिक अवसर प्रदान करने सहित जीवन की कठोरता को कम करते हुए बेहतर स्वास्थ्य, चिकित्सा सेवा, पोषण, स्वच्छता एवं शुद्ध पर्यावरण सुविधा प्रदान करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ विज्ञान शिक्षा को प्रोत्साहित करना भी इस योजना में निहित है।

प्रौद्योगिकी प्रबंधन

देश में औद्योगिक विकास के लिये आधुनिक तकनीक एवं व्यापार की नयी अवधारणाओं का उपयोग और उनका व्यवस्थापन करते हुये विभिन्न उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता करने के लिये परिषद द्वारा औद्योगिक जगत् के मुद्दों के विषय में सम्बधित लोगों को नवीन जानकारी देने तथा विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबन्ध

इस कार्यक्रम के अर्न्तगत लोगों में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विषय में जागरूकता विकसित की जाती है। विश्वविद्यालयों, उद्योगों, सरकारी शोध संस्थाओं को इससे अपनी बौद्धिक सम्पदा का पेटेंट हासिल करने में सहायता मिलती है। इस सम्बन्ध में पेटेंट सूचना का समय–समय पर विश्लेषण किया जाता है और पेटेंट हेतु नये आविष्कारों के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश तथा सुझाव भी दिये जाते हैं, इस दिशा में दो तरह के बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्रों की भी स्थापना की गई है। इसके अन्तर्ग शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों इत्यादि के लिए पेटेंट इंफोरमेशन सेंटर (PIC) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक सम्पदा सुविधा केन्द्र (IPFC) कार्य करता है।

उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

नवीनतम एवं उच्च तकनीक के माध्यम से अन्वेषी प्रवृत्ति को विकसित करने के कार्यक्रम परिषद द्वारा गतिमान एवं प्रस्तावित है। उद्देश्य यह है कि उत्तराखण्ड की वैज्ञानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नयी तकनीकों का उपयोग करते हुये आम जन में उद्यमिता भावना का विकास किया जा सके।

प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम

नैनो टैक्नोलॉजी, अनुवांशिकी अभियांत्रिकी, उच्च तकनीक आधारित जलीय जैव विकास, रेशम कीट पालन जैसे नवीन उभरते हुये क्षेत्रों को विकसित करने के लिये परिषद, वित्तीय संस्थाओं को शोध कार्य हेतु धन उपलब्ध कराने के साथ–साथ मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन करती है।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रौद्योगिकी के उच्चीकरण एवं हस्तांतरण हेतु राष्ट्रीय शोध संस्थाओं के साथ समन्वय तथा सहयोग करने की नीति पर परिषद कार्य करती हैं।

प्रौद्योगिकी का विपणन

परिषद उत्तराखण्ड की आर्थिक प्रगति को त्वरित करने के लिये उन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के विपणन पर बल दे रही हैं, जहां उत्पाद जल्दी खराब हो जाते हैं। परिषद इस कार्य हेतु उत्तराखण्ड की विभिन्न संस्थाओं को नई तकनीक तथा सुविधाओं को उपलब्ध कराने में पूरी सहायता प्रदान करती हैं।

प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र तथा ग्रामीण तकनीक मिशन की स्थापना

इस परियोजना के अन्तर्गत परिषद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिये प्रयुक्त की जा रही तकनीकों के विकास एवं उच्चीकरण का कार्य करती हैं। वर्तमान में यह कार्य जनपद स्तर पर संचालित किया जा रहा है, अतिशीघ्र इसको ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वित किया जायेगा। इन केन्द्रों से पारम्परिक अनुभव तथा ज्ञान के साथ–साथ आधुनिक तकनीक तथा विज्ञान का उपयोग कर लोगों को लाभ पहुंचाया जायेगा।

3

मुख्य कार्यक्रम

विज्ञान लोकव्यापीकरण परिषद का एक अतिमहत्वपूर्ण अधिधेय है, इसके अन्तर्गत वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इनमें से प्रमुख कार्यक्रम निम्नलिखित है :

- विजय दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन।

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदए झाझरा देहरादून में दिनांक 16 दिसम्बर 2022 को विजय दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट सेवा मेडल मेजर जनरल प्रोफेसर ओ0पी0 सोनी मुख्य अतिथि थे। उन्होंने युवाओं को सृजनशीलता और मेहनत से कार्य करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में श्री रणबीर सिंह ने नई शिक्षा नीति और व्यावहारिक ज्ञान के महत्व पर बात अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में श्री पवन कुमार ओझा, श्री जीवन राम आर्या, कैप्टन एन कुकरेती, एन डी आर एफ के सदस्य, दून डिफेंस अकेडमी और अल्पाइन इंस्टीट्यूट के लगभग 145 छात्र शामिल रहे। प्रोफेसर दुर्गेश पंत महानिदेशक यूकास्ट ने परिषद के विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों से सबको अवगत कराया तथा सभी को विजय दिवस की शुभकामनयें प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ अपर्णा शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, यूकास्ट द्वारा किया गया।

➢ यूकॉस्ट में मनाया गया 74वां गणतन्त्र दिवस।

26 जनवरी, 2023 को परिषद में 74वां गणतन्त्र दिवस मनाया गया। जिसमें प्रो0 दुर्गेश पन्त, महानिदेशक, यूकॉस्ट द्वारा [illegible] समस्त परिषद वासियों को शुभकामनाऐं दी साथ ही गणतन्त्र दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। इस अवसर पर [illegible] एवं आंचलिक विज्ञान केन्द्र के अधिकारी व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

➢ चम्पावत जनपद में एरोमा मिशन का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

दिनांक 24 फरवरी 2023 को जिला अधिकारी कार्यालय सभागार चम्पावत में माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी की अध्यक्षता में विभिन्न केनद्रीय संस्थानों राज्य के सभी राजकीय विभागों स्वंय सहायता समूहों के साथ मिलकर आदर्श जनपद चम्पावत की समीक्षा बैठक की गयी एवं भविष्य के लिए रूपरेखा एवं कार्य योजना तैयार की गयी। साथ ही उत्तराखण्ड राज्य में एरोमा मिशन का शुभारम्भ भी किया गया। इस अवसर प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट, जिलाधिकारी चम्पावत, मुख्य विकास अधिकारी चम्पावत, आई0आई0आर0एस0 देहरादून के वैज्ञानिक, सी0मैप0 लखनऊ के वैज्ञानिक, डॉ0 डी0 पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक, डॉ0 पीयूष जोशी वरि0 वैज्ञानिक अधिकारी, देवेन्द्र सिंह, संतोष रावत आदि उपस्थित थे।

➢ चम्पावत जनपद में प्रथम टैक्नोलाजी प्रदर्शनी।

दिनांक 16 मार्च 2023 को चम्पावत जनपद में यूकॉस्ट देहरादून एवं अग्नि टीम, पी0एस0ए0 कार्यालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में चम्पावत जनपद के नरसिंह डांडा गॉव में विभिन्न रेखीय विभागों, काश्तकारों, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों के समक्ष फील्ड डेमोस्ट्रेशन कर विभिन्न टैक्नोलाजियों को प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चम्पावत, मुख्य विकास अधिकारी चम्पावत, श्री प्रहलाद सिंह अधिकारी आदि उपस्थित थे।

➢ विश्व आई0पी0आर0 कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक 26 अप्रैल 2023 को विश्व आईपी दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) विज्ञान धाम में एक आई0पी0आर0 कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) दुर्गेश पंत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. अपर्णा शर्मा ने परिचयात्मक भाषण दिया और विश्व आईपी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर पंत ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से वर्तमान समय तक आई0पी0आर0 परिदृश्य का वर्णन किया। उन्होंने आज की तकनीकी प्रगति के युग में कुछ सरकारी पहलों के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को अपने – अपने क्षेत्र में आई0पी0आर0 को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए। उन्होंने उचित और उपयुक्त आईपी के माध्यम से विचारों और आविष्कारों के संरक्षण के महत्व को दोहराया। अतिथि वक्ता यू0टी0यू0 की डॉ. सुनीता बौदी ने विद्यार्थी से कहा कि शोध करने वाले छात्रों को शोध के विषय पर निर्णय लेने से पहले पेटेंट साहित्य से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि कैसे शोधकर्ता अपनी परियोजनाओं से उत्पन्न बौद्धिक संपदा की पहचान और सुरक्षा कर सकते हैं। विशिष्ट वक्ता डॉ0 राकेश यादव ने कहा कि उचित आईपी के माध्यम से विशाल जैव विविधता विशेषकर पारंपरिक ज्ञान कृषि उत्पादों और औषधीय पौधों की आवश्यकता है। उन्होंने कई पारंपरिक फसलों का उदाहरण दिया जो उत्तराखंड की मूल निवासी हैं। इस अवसर पर डॉ0 सत्येन्द्र राजपूत, प्रोफेसर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, डॉ0 दक्ष, प्रसिद्ध उद्यमी और डॉ0 सौमित्र पांडे, उद्योगपति, श्री अमित पोखरियाल, डॉ. आशुतोष मिश्रा, श्री हिमांशु गोयल और यूकॉस्ट के कर्मचारी उपस्थित थे।

➢ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक 11 मई, 2023 को परिषद में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 के अवसर पर आंचलिक विज्ञान केन्द्र (विज्ञान धाम) में स्कूल स्टार्टअप– इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट विषय के तहत एक लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रियर एडमिरल ओम प्रकाश सिंह राणा, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) जी थे। कार्यक्रम में उन्होंने प्रगति का मार्ग– एक परिप्रेक्ष्य विषय के तहत अपना व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होने चरित्र निर्माण, राष्ट्र और इतिहास की सेवा और विभिन्न रक्षा प्रौद्योगिकियों की उन्नति पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ0 डी0 पी0 उनियाल द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और कृषि, स्वास्थ्य और चिकित्सा, परिवहन प्रणाली आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के उपयोग जैसे विषयों पर चर्चा की। सत्र का संचालन यूकॉस्ट डॉ0 अपर्णा शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने किया। कार्यक्रम में सकाय सदस्य छात्र–छात्राओं एवं परिषद/आंचलिक विज्ञान केन्द्र के समस्त अधिकारी/कर्मचारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

➢ चम्पावत जनपद में मधुमक्खी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक 20 मई 2023 को विश्व मधुमक्खी दिवस के उपलक्ष्य पर जनपद चम्पावत के सिप्टी गॉव मे एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में काश्तकारों, विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी चम्पावत, जिला उद्यान अधिकारी चम्पावत एवं परिषद से श्री प्रहलाद सिंह अधिकारी एवं श्री देवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में किसानों विद्यार्थियों को मधुमक्खियों के हमारी जीवन में उपयोगिता एवं मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी दी गयी।

➢ अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) के लिए कार्यक्रम सलाहकार और निगरानी समिति (पी0एसी0) की बैठ और एस0सी0/एस0टी0 कोशिकाओं के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन।

अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम सलाहकार और निगरानी समिति (पी0एसी0) की बैठक और एस0सी0/एस0टी0 प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक 11–12 मई, 2023 को यूकोस्ट विज्ञान धाम झाझरा, देहरादून में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो0 दुर्गेश पन्त, महानिदेशक यूकॉस्ट द्वारा किया गया। उन्होनें अपने स्वागत भाषण में एस0सी0/एस0टी0 समुदायों के उत्थान के लिए रणनीति बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय बैठक एस0सी0एस0पी0 की प्रगति और प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मजबूत चर्चाओं और सहयोगात्मक प्रयासों के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। महानिदेशक महोदय ने विभिन्न राज्य विज्ञान परिषदों और डीएसटी भारत सरकार के विशेषज्ञों ने आजीविका सुधार परियोजनाओं की समीक्षा की। कार्यक्रम में डॉ देवप्रिया दत्ता, सलाहकार, बीज प्रभाग डी0एस0टी0, डॉ0 गोपीकृष्ण कोंगा, वैज्ञानिक–एफ, बीज प्रभाग डी0एस0टी0 सुश्री रजनी रावत वैज्ञानिक–डी, प्रयाग श्रीनिवास फील्ड ऑफिसर, तेलंगाना राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, श्री एम0 नागेश सदस्य सचिव (एच0ओ0डी0), तेलंगाना एस0सी0एस0 एंड टी, श्री आर0एस0 हिरेमथ बेंगलुरु, प्रोफेसर दीपक रंजन मंडल जोका, कोलकाता, प्रोफेसर (डॉ0) धर्मेश्वर दास, गुवाहाटी, प्रोफेसर ओंकार नाथ तिवारी आई0सी0ए0आर0 – आई0ए0आर0आई0, पूसा, डॉ. श्याम विशेषज्ञ पैनल में विश्वनाथ एवं अन्य उपस्थित थे। पहले दिन की परियोजनाओं की अध्यक्षता प्रोफेसर दुर्गेश पंत, महानिदेशक, यूकॉस्ट, देहरादून ने की और दूसरे दिन की परियोजनाओं की अध्यक्षता प्रोफेसर तालुकदार ने की। कुल 28 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से 17 का मूल्यांकन पहले दिन और 11 का मूल्यांकन दूसरे दिन किया गया। समापन सत्र में प्रोफेसर (डॉ0) दुर्गेश पंत महानिदेशक, यूकॉस्ट ने एस0एंड0टी0 परिषदों की योजनाओं और इंटरैक्शन के प्रभावी उपयोग और बड़े आउटरीच पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को दोहराया। कार्यक्रम में परिषद के समस्त वैज्ञानिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

➢ उदय शंकर नाटीय अकादमी, अल्मोड़ा में विज्ञान प्रोत्साहन कार्यक्रम/उत्तराखण्ड टेक्नोलॉजी संगम का आयोजन।

19 मई, 2023 को अल्मोड़ा जिलें के 11 ब्लॉकों से 242 पंजीकृत विद्यालय के 248 छात्र एवं 244 छात्रायें के मार्गदर्शन हेतु 245 शिक्षक कुल 737 राजकीय माध्यमिक महाविद्यालयों से कक्षा 09 से 12 तक के चयनित छात्र–छात्राओं, विकास भवन अल्मोड़ा के मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी श्री अंशुल सिंह, विकास भवन से समस्त उच्चाधिकारी, यूकॉस्ट के विशेषज्ञ, अल्मोड़ा के ट्यूशन सेन्टरों से आंमत्रित अनुशिक्षक इत्यादि बुद्धिजीवी वर्ग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्यार्थियों का ऑनलाईन शुभारम्भ किया। विडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी छात्र–छात्रओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में शीर्ष संस्थाओं के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों ने तकनीकी ज्ञान साझा किया। जिसका लाभ आगामी दिनों में विद्यार्थियों के माध्यम से देश को मिलेगा। महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो0 दुर्गेश पन्त द्वारा डिजिटल वालंटियर, सॉवर वालंटियर, टैक्नोलॉजी वांलटियर चैम्पियन तैयार करने के लिये यूकॉस्ट के मार्गदर्शन से इसके कार्यक्रम की शुरूवात जिला अल्मोड़ा से कारवायी गई। महानिदेशक महोदय ने यह भी कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें उन्नत राष्ट्र बनाने के लिये आगे बढ़ना है।

महानिदेशक महोदय के प्रोत्साहन पर प्रबन्धक मार्केटिगं आंचलिक विज्ञान केन्द्र, देहरादून ने अल्मोड़ा जिले पर इस कार्यक्रम की तैयारी पूर्ण की। ऑनलाईन माध्यम से जुड़े सांसद श्री अजय टम्टा ने कहा कि यूकॉस्ट द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से इस विशेष कार्यक्रम से देश के शीर्ष संस्थाने के विशेषज्ञों, टेक्नोलॉजी के ज्ञाता छात्र–छात्राओं को अधुनिक टेक्नोलॉजी जिसमें आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स, ड्रोन, रिमोट सेसिंग, ब्लक चैन, साइबर स्क्योरिटी के बारे मे विस्तृत जारकारी साझा करी। माननीय सांसद द्वारा कहा कि हमारी युवा पीड़ी नयी टेक्नोलॉजी को समझे और जाने विषय पर आजीविका व आर्थिकी को बढ़ाने के लिये ऐसे कार्यक्रम की बहुत आवश्यकता है। सांसद ने यह भी कहा कि सांस्कृतिक नगरी के कई वैज्ञानिक इंजीनियर, चिकित्सक, विज्ञान विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी, देश विदेश में अपनी सेवाये दे रहें है।

सी0डी0यो0/प्रभारी जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने छात्र–छात्राओं से संवाद किया और टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी प्रदान की। सी0डी0यो/प्रभारी जिलाधिकारी की धर्मपत्नी द्वारा अल्मोड़ा जिलें के विद्यालयों को ऑनलाईन माध्यम से जोड़कर विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक तकनीकी जानकारियां उपलब्ध करायी। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ प्रो0 कंचन पाण्डे, प्रो0 संजय कुमार, प्रो0 सुनिल कुमार, जय श्री संवाल, डॉ0 सुरेश भारद्वाज, प्रो0 मंयक अग्रवाल, श्री सिद्धार्थ माधव सी0ई0ओ0 अल्मोड़ा श्रीमती हेमलता भट्ट, डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे, डॉ0 मनी मधुकर, यूकॉस्ट समनवयक श्री प्रहलाद अधिकारी, प्रबन्धक मार्केटिंग यूकॉस्ट श्री सुभाष नेगी, शहिद राजकीय मध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 09 से 12 तक अध्यनरत् छात्र–छात्राओं व शिक्षकगण आदि उपस्थित रहें।।

➢ उत्तराखण्ड राज्य अरोमा मिशन लॉन्च सीएसआईआर–सीमैप और यूकॉस्ट पहल कार्यक्रम का आयोजन।

उत्तराखंड में राज्य सुगंध मिशन के शुभारंभ के अवसर पर 27 जून, 2023 को उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून में एक सेमिनार आयोजित किया गया था। यह पहल यूकॉस्ट और सीएसआईआर–सीमैप का संयुक्त प्रयास है। सीएसआईआर–सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी और वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मनोज सेमवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन में चार चांद लगा दिए। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए सीएसआईआर–सीमैप और यूकॉस्ट के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया। अतिथि वक्ताओं ने उत्तराखंड में सुगंध आधारित और औषधीय पौधों के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। इस रणनीतिक दृष्टिकोण में राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, स्थानीय किसानों को सशक्त बनाने और विभिन्न उद्योगों में विकास को प्रोत्साहित करने की अपार संभावनाएं हैं। गैर सरकारी संगठनों, किसानों, उद्यमियों, विश्वविद्यालयों और उद्योग जगत के नेताओं की भागीदारी ने इस मिशन के लिए व्यापक समर्थन को उजागर किया, जो इस क्षेत्र में उत्तराखंड को अग्रणी के रूप में स्थापित करने के सामान्य लक्ष्य से प्रेरित है। डॉ0 डी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट ने कार्यक्रम का समन्वय किया और इसकी सफलता सुनिश्चित करने और इसके कार्यान्वयन की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के बारे में जानकारी प्रदान की। उत्तराखंड में राज्य अरोड़ा मिशन की शुरूआत एक परिवर्तनकारी यात्रा, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और राज्य के संसाधनों की समृद्ध क्षमता का दोहन करने के लिए मंच तैयार करती है।

➢ यूकॉस्ट, विज्ञान धाम, देहरादून में डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन एवं 'पं. दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम' की समीक्षा बैठक का आयोजन।

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून में आज दिनांक 26 जून 2023 को माननीय पूर्व राज्यपाल (महाराष्ट्र) एवं पूर्व मुख्यमंत्री (उत्तराखण्ड) श्री भगत सिंह कोश्यारी जी द्वारा यूकॉस्ट में प्रथम नवनिर्मित विज्ञान जनसंवाद–संचार प्रकोष्ठ सेल का लोर्कापण किया गया। उन्होंने कहा कि इससे विज्ञान की आवाज को जन जन तक पहुँचाने में मदद मिलेगी, साथ ही उनकी अध्यक्षता में उत्तराखण्ड राज्य में ग्रामीण विकास की रूपरेखा एवं कार्ययोजना तैयार करने हेतु 'पं. दीन दयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम' की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यूकॉस्ट द्वारा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरन्तर कार्य किये जा रहे है।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ठ अतिथि पदमश्री डॉ. महेश शर्मा जी ने कहा कि यूकॉस्ट की टी.आर.सी एवं विज्ञान ग्राम संकुल राज्य पलायन की समस्या को कम करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। कार्यकम के मुख्य अतिथि माननीय श्री भगत सिंह कोश्यारी जी द्वारा कहा गया कि यूकॉस्ट के द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में विज्ञान ग्राम संकुलों एवं टी.आर.सी. के माध्यम से ग्रामीण समुदाय की आजीविका में सुधार किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 पीयूष जोशी वरि0 वैज्ञानिक अधिकारी यूकॉस्ट द्वारा किया गया त परियोजना के माध्यम से किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 80 किसानों , यूकॉस्ट के समस्त वैज्ञानिक एवं अधिकारी, विभिन्न संस्थाओ से आये विशेषज्ञों, संकुलों, टी.आर.सी. एवं एन.जी.ओ. प्रतिभागियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

➢ आंचलिक विज्ञान केंद्र (आर0एस0सी0), देहरादून में यूकॉस्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया।

22 मई, 2023 को क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र (आरएससी) देहरादून में उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूसीओएसटी) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस वर्ष जैव विविधता दिवस के उत्सव का विषय **समझौते से कार्रवाई जैव विविधता** का निर्माण था। इस अवसर पर डॉ0 साकेत बडोला (आई0एफ0एस0), निदेशक, राजाजी टाइगर रिजर्व, उत्तराखंड द्वारा एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया। जिसमें उन्होंने जीव–जंतुओं की जैव विविधता और वन्य जीवन संरक्षण पर जोर दिया, उन्होंने भारत में जैव विविधता संरक्षण में शामिल कई सफलताओं की कहानियों का जिक्र किया और छात्रों से इसे लेने के लिए कहा। शौक के रूप में जैव विविधता के संरक्षण को बढावा दें और संबंधित विषयों में रुचि विकसित करें। प्रोफेसर दुर्गेश पंत, महानिदेशक, यूकॉस्ट द्वारा जैव विविधता के संरक्षण और मानव गतिविधियों के कारण पर्यावरण में होने वाले क्षरण के महत्व के बारे में विस्तार से सबको अवगत कराया। श्री जी0 एस0 रौतेला, सलाहकार साइंस सिटी और पूर्व महानिदेशक, एन0सी0एस0एम0 ने लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए जैव विविधता संरक्षण और भविष्य की प्रजातियों के डीएनए पार्क में चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने छात्रों से अपने दैनिक जीवन में जैव विविधता के संरक्षण की शपथ लेने का आग्रह किया। डॉ0 डी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट ने जलवायु परिवर्तन के तहत जैव विविधता और जानवरों की सुरक्षा के लिए संरक्षित क्षेत्रों के महत्व के बारे में बात की। डॉ0 पीयूष जोशी, वरि0 वैज्ञानिक अधिकारी, प्रभारी आर0एस0सी0 द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उत्तराखंड में आगामी विज्ञान केंद्रों के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों से आये छात्र-छात्राएं, वैज्ञानिकों और यूकॉस्ट एवं आर0एस0सी0 के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

➢ यूकॉस्ट में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023।

21 जून, 2023 को उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान धाम देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 मनाया गया। इस अवसर पर एस0जी0आर0आर0 विश्वविद्यालय, देहरादून के डॉ. अनिल थपलियाल द्वारा परिषद एवं आंचलिक विज्ञान केन्द्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग के बारे में विस्तार से जानकारी साथ योग के तरह–तरह के आसन भी सीखाये। योग दिवस पर परिषद में आये आई0आर0बी0 द्वितीय एवं आई0टी0आई0टी0आई0 के जवानो द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

➢ उत्तराखंड में राज्य अरोमा मिशन– सीएसआईआर–सीमैप और यूकॉस्ट पहल का शुभारंभ।

उत्तराखंड में राज्य अरोमा मिशन– सीएसआईआर–सीमैप और यूसीओएसटी पहल का शुभारंभ 27 जून 2023 को उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूसीओएसटी), विज्ञान धाम, झाझरा, देहरादून में आयोजित किया गया था। मिशन का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के वीडियो संदेश के साथ किया गया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बेहद खुशी का अवसर है कि सीएसआईआर–सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स, सीमैप, लखनऊ और उत्तराखंड स्टेट काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीओएसटी) इस एरोमा मिशन को लॉन्च कर रहे हैं। यह मिशन निश्चित रूप से उत्तराखंड के किसानों और निवासियों की आजीविका और आर्थिकी को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अरोमा मिशन भारत सरकार का एक महत्वाकांक्षी अभियान है, जिसके तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की मदद से हम सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देंगे जिसके परिणामस्वरूप किसानों और विभिन्न हितधारकों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

➢ आंचलिक विज्ञान केन्द्र में मनाया गया शिक्षक दिवस।

दिनाक 05 अक्टूबर, 2023 को यूकॉस्ट परिसर में शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि देहरादून के विशेष स्कू अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली बच्चे थे, और उनकी उपस्थिति ने इस यादगार कार्यक्रम में जादू का स्पर्श जोड़ दिया। यूकॉ महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने इन उल्लेखनीय युवा व्यक्तियों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी विशेष अतिथियों का हार्दिक अ किया। उन्हानें साथ मिलकर, हमने सीखने की भावना और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों के योगदान का जश्न मनाया। कार्यक्रम में आये समस्त छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों को महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो0 दुर्गेश पन्त ने पुरस्कार सम्मानित किया। कार्यक्रम में परिषद व आंचलिक विज्ञान केन्द्र के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

➢ डॉ0 राधिका रामचंद्रन, पूर्व निदेशक, अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, भारतीय अं अनुसंधान द्वारा विज्ञान धाम में एक लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया।

18 सितंबर 2023 को आंचलिक विज्ञान केन्द्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र की अंतरिक्ष भौ प्रयोगशाला की पूर्व निदेशक डॉ.राधिका रामचंद्रन का एक लोकप्रिय व्याख्यान **विज्ञान और संस्कृति में महिला शक्ति** विषय के तहत आ विज्ञान केंद्र में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम पूर्व सांसद श्री तरूण विजय द्वारा संयुक्त रूप से श्विज्ञान और सस्कृति में म शक्ति विषय के तहत यूकॉस्ट के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरुआत महान अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावल प्रेरणादायक यात्रा पर एक लघु फिल्म के साथ की गई। स्वागत भाषण श्री तरूण विजय, पूर्व सांसद और अध्यक्ष, श्री नंदा राज गरीब पीठिका समिति द्वारा दिया गया। उन्होंने कहा कि चंद्रयान की सफलता ने कई युवा प्रतिभाओं को विज्ञान क्षेत्र की ओर आ किया है। उन्होंने इसरो वैज्ञानिकों की सादगी, प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से विज्ञान और प्रौद्योगि क्षेत्र में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मिशन और दृष्टिकोण के बारे में बात की। इसरो के पूर्व अध्यक्ष पदम श्री डॉ जी नायर ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी बात रखी। सत्र की मुख्य वक्ता डॉ.राधिका रामचंद्रन ने इसरो वैज्ञानिक के रूप में

यूकॉस्ट को पहली प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसे यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पन्त के
दिया गया। समिति ने यूकॉस्ट के काम की सराहना की और सुझाव दिया कि आसपास की अन्य राज्य परिषदें एसाइडी
और दृश्यमान परिणाम के साथ नवाचार के लिए यूकॉस्ट के साथ संयुक्त सहयोग कर सकती हैं। प्रस्तुतियों के दौरान
राज्यों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषदों को 28 नवंबर से 1 दिसंबर 2023 के दौरान विश्व आपदा कांग्रेस में भाग लेने
भी किया, जहां सभी परिषदें भागीदारी में रुचि दिखाती हैं। बैठक के दौरान यूकॉस्ट ने आगामी कार्यक्रम में
आर0जी0एस0टी0सी0, महाराष्ट्र, एम0पी0 काउंसिल, एच0पी0 काउंसिल, यूपी काउंसिल, पंजाब और छत्तीसगढ़ काउंसिल
विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

➢ गोपेश्वर, चमोली में द्वितीय सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन।

दिनांक 09 से 10 अक्टूबर, 2023 को गोपेश्वर, चमोली में द्वितीय सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान का आयोजन किया गया
यूकॉस्ट द्वारा विगत वर्ष से प्रदेश में विज्ञान संचार को बढावा देने के उददेश्य से किए गये अभिनव प्रयोगों में एक बृहद
कार्यक्रम सीमान्त पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारम्भ किया गया जिसका उददेश्य सीमान्त पर्वतीय
छात्र–छात्राओं को कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान चेतना की मुख्य धारा से जोडना है। महोत्सव में छात्र–छात्राओं हेतु पांच
क्रमशः पोस्टर प्रतियोगिता (स्थानीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली), नाटक (पर्यावरण संरक्षण जागरूकता), विज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियो
पाठन (हिन्दी एवं स्थानीय भाषा), कविता पाठन (अंग्रेजी) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले
उसके पश्चात जनपद स्तर पर किया गया। जनपद स्तर पर चयनित छात्र–छात्राओं द्वारा राज्य स्तर पर प्रतिभाग किया
द्वितीय सीमान्त पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर, 2023 को अटल उत्कृष्ट
स्वामी राजकीय इण्टर कॉलेज, गोपेश्वर, चमोली में किया गया जिसमें राज्य के ६ सीमान्त जनपदों क्रमशः उत्तरकाशी,
बागेश्वर, चम्पावत और पिथौरागढ़ से 240 छात्र–छात्राओं एवं 50 मार्गदर्शक शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। महोत्सव
को डा0 सी0 एम0 नौटियाल, भूत पूर्व वैज्ञानिक, बीरबल साहनी पुराविज्ञान, लखनऊ द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान एवं श्री जी0
सलाहकार, साइंससिटी, देहरादून द्वारा विज्ञान आधरित विभिन्न हेंडस ऑन प्रयोग दिखाए गए। इसके अलावा महोत्सव में

एम द्वारा प्रदर्शित लैब ऑन व्हील, विज्ञान प्रदर्शिनी, आकाश दर्शन आदि आकर्षण के केन्द्र रहे। महोत्सव में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को देश एवं प्रदेश के वरिष्ठ वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ।

➢ जनपद चम्पावत एरोमा मिशन कार्यशाला का आयोजन।

उत्तराखंड/25 आदर्श चंपावत के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकास्ट), अग्नि टीम, पी0एस0ए0 भारत सरकार, सीमैप लखनऊ एवं जिला प्रशासन चंपावत के तत्वाधान में जिला सभागार में दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को एरोमा मिशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का वर्चुवली उद्घाटन करते हुए प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक, यूकास्ट ने जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे समेत सभी कार्यषाला में उपस्थित विषेशज्ञों, जनप्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि एरोमा मिशन का उद्देश्य किसानों व काश्तकारों को उच्च लाभ, बंजर भूमि के उपयोग और जंगली एवं पालतू जानवरों से फसलों की रक्षा करके समृद्ध बनाना है। इस कार्यशाला के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी की जनपद चंपावत को आदर्श जिले के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया जाएगा। सीमैप (केन्द्रीय औषधीय एव सगंध पौधा संस्थान) लखनऊ एवं यूकास्ट के वैज्ञानिकों द्वारा इसके माध्यम से चम्पावत जिले को मॉडल जिला बनाये जाने की दिषा में कार्य किया जाएगा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आधार पर खेती की जाएगी। जिलाधिकारी श्री नवनीत पांडे ने मुख्य अतिथि तथा वैज्ञानिकों का स्वागत किया। उन्होनें कहा कि जिले में किसानों के पास खेती योग्य भूमि की कमी है, उस पर भी बंदरों एवं अन्य जंगली जानवरों द्वारा किसानों की मेहनत में पानी फेरने से परेशान किसानों को उसका मेहताना नहीं मिला पता है। लेकिन मॉडल जिले की अवधारणा से लोग पुनः माटी से जुडकर खेती के कार्य शुरू कर रहे है। यहां जीतोड़ मेहनत करने वाले किसानों को ऐसी तकनीकी बताने की जरूरत है जो उनकी आर्थिकी को मजबूत कर सकें। डॉ0 डी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट ने परिषद के द्वारा किये जा रहे कर्यो के बारे में जानकारी दी गयी। उन्होनं कहा कि एरोमा मिशन परियोजना के लिए चम्पावत जिले की जलवायु की अनुकुलता को देखते हुए किसानों की आजीविका में सुधार करने के साथ ही उन्हें रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध होगे और भविश्य में परिशद के द्वारा चम्पावत जिले में ग्रामीणों की आजीविका में सुधार करने के लिए संकुलों एवं प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्रों की स्थापना की जायेगी। डॉ0 पीयूष जोशी, वरि0 वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट के द्वारा आदर्श चम्पावत परियोजना के अन्तर्गत चम्पावत जिले में किये जा रहे विविध कार्यो के बारे में जानकारी दी गयी। जिले में साइंस कॉरिडोर की स्थापना के बाद और आधुनिक ज्ञान विज्ञान की जानकारी मिलने से सामाजिक व आर्थिक विकास होगा। अग्नि टीम, पी0एस0ए0 कार्यालय के प्रतिनिधि श्री सानिद पाटिल के द्वारा चम्पावत जिले में किये जाने वाले टैक्नोलाजी प्रदर्षनी के बारे में किसानों को जानकारी दी गयी। उन्होने कहा कि इन नयी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से किसानों की आजीविका में सुधार करने के साथ ही उनकी आमदनी में भी बढोत्तरी होगी। मुख्य विकास अधिकारी, श्री आर0एस0 रावत ने एरोमा के लिए यहां की जलवायु को अनुकूल बताते हुए कहा कि वैज्ञानिको को यह प्रयास करना होगा कि किस प्रकार जंगली जानवरों से किसानों को राहत दी जा सके। डी0एफ0ओ आरसी कांडपाल ने इकोनामी एवं इकोलॉजी में समन्वय स्थापित करते हुए जंगलों को आग से बचाने के लिए पीरूल का प्रबंधन किए जाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर सीमैप की ओर से 20 किसानों को केमोमाइल के बीज उपलब्ध कराए गए, जिससे प्रत्येक किसान अपने खेत में उत्पादन कर सकेगा। इसकी गंध से न केवल जंगली जानवर दूर रहेंगे बल्कि यह चाय बनाने के काम में भी आता है। कार्यशाला में ब्लॉक प्रमुख बारकोट विनीता फर्त्याल, चंपावत रेखा देवी, यूकास्ट की वरि0 वैज्ञानिक डॉ0 पूनम गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयक देवेंद्र सिंह, श्याम नारायण पाण्डेय, शंकर दत्त पांडे, विभिन्न विभागीय अधिकारी, 100 से अधिक किसानो के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण हाइड्रोपोनिक खेती के उपयोग और अनुप्रयोग पर छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए था। सती यूकॉस्ट ने स्वागत भाषण एवं इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने हाइड्रोपोनिक खेती पर विस्तृत यह व्याख्यान हाइड्रोपोनिक खेती की मूल बातें, विभिन्न प्रकार की हाइड्रोपोनिक तकनीकों, विभिन्न प्रकार के मीडिया जैसे एलईसीए कंकड आदि को समझने में सहायक था। उन्होंने परिषद की अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन दिया। उन्होंने स्टरलाइजेशन विधियो और विभिन्न प्रकार के ग्रीनहाउस, सौर प्रौद्योगिकी और अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में भी बात की। स्कूल के संकाय सदस्य के साथ छात्रों ने हाइड्रोपोनिक ग्रीनहाउस का दौरा किया। सुश्री वैशाली शर्मा (शोधकर्ता, परियोजना) ने हाइड्रोपोनिक खेती के लिए नियोजित एनएफटी प्रणाली के बारे में प्रदर्शन किया। उन्होंने हाइड्रोपोनिक खेती में प्रबंधन प्रथाओं, निगरानी स्थितियों (पोषक तत्व समाधान पैरामीटर) का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने हाइड्रोपोनिक प्रणाली में वाली विभिन्न प्रकार की फसलों के बारे में बात की।

➢ छठी विश्व कांग्रेस आपदा प्रबन्धन सम्मेलन का शुभारम्भ।

दिनांक 28 नवम्बर, 2023 को ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी, देहरादून में छठी विश्व कांग्रेस आपदा सम्मेलन का आयोजन किय कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया गया। 28 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2023 तक वाले इस सम्मेलन में अनेक देशों के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे हैं। इस सम्मेलन में 60 से अधिक तकनीकि सत्र आयो किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभव पर आधारित पुस्तक रेजिलिएंट इंडिया का विमोचन भी कि मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान' खोलने के लिए भूमि की व्यवस्था के साथ ही केन्द्र सरकार अनुरोध किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग और महिलाओं के लिए राज्य में आपदा की चुनौतियों का सामना करने के विशेष प्राविधान किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विश्व विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में आपदा प्रबंधन के पाठ्यक्रम शामिल जायेंगे और कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि "अर्थ इज माय मदर एंड आई एम हर चाइल्ड" के कांसेप्ट समझना होगा और उस पर अमल करना होगा। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री से मिले हुए पत्र को लोगों को दिखाया उन्होंने विजुअल के माधयम से सदी के महानायक श्री अमिताभ बच्चन जी द्वारा 6वें विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन के अवसर पर सम्मेलन की सफलता के लिए माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तराखंड राज्य को बधाई और शुभकामनाएँ भी देते दिखाई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिविशिष्ट अतिथि उप राज्यपाल अंडमान और निकोबार द्वीप एडमिरल डी के जोशी, मुख्य सचिव डॉ. एस.संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम राजेन्द्र रत्नू, सचिव आपदा प्रबंधन डा. रंजीत

सिन्हा अध्यक्ष ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी प्रो. कमल घनसाला, पदम भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, डॉ एस., अध्यक्ष डब्लू.सी.डी.एम.ए. डॉ. आनन्द बाबू एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा आपदा पर अपने अपने विचार व्यक्त किये गये।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के तकनीकी एवं वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में देश–विदेश के लगभग 600 वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो0 दुर्गेश पन्त ने कहा कि इस आयोजन में 51 देशों का प्रतिनिधित्व शामिल है एवं इससे आपदा प्रबंधन के गंभीरता को समझा जा सकता है, उन्होंने कहा कि हम जी–20 का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुके हैं और इसमें विश्व स्तर पर हमारे भारत के योगदान को समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री डिजास्टर मैनेजमेंट को लेकर बहुत गंभीर हैं और चिंतन मंथन करते हैं और समय अनुसार एक्शन भी लेते रहते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जी के कार्य शैलियों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तरकाशी के टनल में फंसे हुए लोगों को मुख्यमंत्री जी प्राथमिकता से ले रहे हैं एवं उसका समय–समय पर निरीक्षण करते रहते हैं। कार्यक्रम में परिषद के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

➢ 31वीं राज्य बाल विज्ञान कांग्रेस–2023 का आयोजन।

31वीं राज्य बाल विज्ञान कांग्रेस–2023 के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से उत्तराखंड के 13 जिलों से आये छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों से कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को आम जन तक पहुंचाना बहुत जरूरी है क्योंकि हम लगातार नई तकनीकें विकसित कर रहे हैं। हम नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन विज्ञान की समझ से हम तकनीक का